गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 048
दि. 17.06.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम मोदी को देखकर सीट से खड़े हो गए ट्रंप, मिलाया हाथ... द्विपक्षीय बैठक में किन-किन मुद्दों पर होगी चर्चा?

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। फ्रांस के शहर एवियन में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मंगलवार को एक संक्षिप्त मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया, लेकिन गले नहीं मिले। फिर थोड़ी देर बातचीत की।

सूत्रों के अनुसार यह मुलाकात अनौपचारिक रही, जबकि बुधवार देर शाम (भारतीय समयानुसार) दोनों नेताओं के बीच औपचारिक द्विपक्षीय बैठक प्रस्तावित है। फरवरी, 2025 में वाशिंगटन में हुई पिछली बैठक के लगभग 16 महीने बाद उनकी यह पहली आमने-सामने की मुलाकात है।

दोनों नेताओं की यह बैठक भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है। दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से पश्चिम एशिया विवाद के दौरान वाणिज्यिक जहाजों पर हमले का मुद्दा उठाए जाने की संभावना है।

0:00 / 0:00

मौजूदा वैश्विक अनिश्चितता के काल में मोदी और ट्रंप की यह मुलाकात भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के संदर्भ में भी अहम मानी जा रही है। हाल ही में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की अगुआई में बैठक हुई है जिसमें आपसी द्विपक्षीय संबंधों

को अहम बताया गया है।

ट्रंप प्रशासन के दौरान यह साझेदारी काम्पैक्ट (सैन्य साझेदारी, वाणिज्य व प्रौद्योगिकी में सहयोग की संभावनाओं पर काम करने वाला) जैसी पहलों से और गति पकड़ रही है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक दोगुना करने के लक्ष्य पर काम हो रहा है। आपसी वार्ता में टैरिफ, एच-1बी वीजा जैसे चुभते हुए मुद्दे भी होंगे जिसको लेकर भारत का एक वर्ग प्रभावित हो रहा है। ऊर्जा सहयोग भी एक बड़ा मुद्दा होगा।

भारत, अमेरिका से बड़ी मात्रा में तेल व गैस की खरीद कर रहा है। अमेरिका से उन्नत हथियारों की संभावित बिक्री, संयुक्त सैन्य अभ्यास और आतंकवाद विरोधी सहयोग पर भी वार्ता होगी। इसके अलावा हिंद-प्रशांत में चीन की चुनौतियां भी एक मुद्दा रहेगा।

गौरतलब है कि ट्रंप द्वारा मई, 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को रोकने में अहम भूमिका निभाने के दावे किए जाने, अमेरिका की ओर से भारत पर दंडात्मक शुल्क लगाने और ट्रंप प्रशासन के कई अन्य कदमों से दोनों देशों के रिश्तों में भारी गिरावट आ गई थी।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की पिछले महीने भारत यात्रा के बाद दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को फिर से बेहतर बनाने की उम्मीद कर रहे हैं। रूबियो ने भारत को हिंद-प्रशांत को लेकर तैयार अमेरिकी नीति का ह्यआधारह्न बताया था।

हालांकि, ओमान तट के पास पिछले हफ्ते एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमलों में तीन भारतीय नाविकों की मौत के बाद दोनों देशों के रिश्तों में फिर से तनाव आ गया। जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री मोदी का कई अन्य वैश्विक नेताओं से भी मुलाकात का कार्यक्रम है।

जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे फ्रांस के एवियन, वैश्विक सहयोग पर जोर

(जीएनएस)।

एवियन, । जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के एवियन पहुंचे। सोमवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 52वें जी7 समिट का औपचारिक उद्घाटन किया था।

आगमन के बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने आगमन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वे विश्व नेताओं के साथ मुलाकात करने और वैश्विक महत्व के प्रमुख मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए उत्सुक हैं।

आगे कहा, "भारत एक अधिक सतत और समृद्ध भविष्य के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।"

प्रधानमंत्री स्लोवाकिया से जिनेवा होते हुए एवियन पहुंचे हैं। जिनेवा पर विमान से उतरते ही स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ पारमेलिन ने उनका

स्वागत किया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, " एयरपोर्ट पर मैं स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति से मिला और हम दोनों के बीच अच्छी बातचीत हुई।"

वहीं विदेश मंत्रालय ने कुछ तस्वीरें पोस्ट करते हुए बताया कि दोनों नेताओं ने एक दूसरे का गर्मजोशी से अभिवादन किया और दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई।

जी7 सम्मेलन फ्रांस के रिसॉर्ट शहर एवियां-ले-बैंस में आयोजित किया गया है। यहां दुनिया की प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं के नेता और आमंत्रित साझेदार देश वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय चुनौतियों पर चर्चा करते हैं। 3 दिन तक चलने वाले इस समिट में सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहुंचे।

इसके बाद जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर, कनाडाई पीएम मार्क कार्नी, जापान की पीएम सनाए ताकाइची समेत कई विश्वस्तरीय नेता पहुंचे। अमेरिका-ईरान पीस डील के साथ-साथ वैश्विक सुरक्षा और अर्थव्यवस्था से जुड़े बड़े मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद की जा रही है।

बता दें, पीएम मोदी वर्तमान यूरोपीय देशों की यात्रा के आखिरी पड़ाव में फ्रांस पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने स्लोवाकिया का दो दिवसीय दौरा पूरा किया। पीएम मोदी ने स्लोवाकिया के दौरे को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने वाला बताया।

भवानीपुर में हार, कोर्ट में वार', टीएमसी में तबाही के बाद ममता बनर्जी ने कानूनी दांव चलकर खोला नया मोर्चा

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल की सियासत में चुनावी बिसात पर हार-जीत के बाद अब कानूनी शतरंज का खेल शुरू हो गया है। सूबे के हाई-प्रोफाइल भवानीपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के नतीजों को चुनौती देने के लिए राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमों ममता बनर्जी ने कोलकाता हाईकोर्ट का रुख कर लिया।

ममता बनर्जी मंगलवार की दोपहर अचानक कलकत्ता हाई कोर्ट के परिसर में दाखिल हुईं। जानकारी के मुताबिक ममता बनर्जी याचिका से जुड़े दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए खुद हाईकोर्ट पहुंची थीं। उनकी ओर से भवानीपुर विधानसभा चुनाव के परिणाम को चुनौती दी गई है।

ये वो ही भवानीपुर विधानसभा सीट है जहां पर विधानसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक खींचतान देखने को मिला था। इस सीट पर तत्कालीन सीएम ममता बनर्जी और वर्तमान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के बीच सीधी और बेहद आक्रामक टक्कर थी।

2021 में भी कोर्ट पहुंची थीं ममता बनर्जी?

यह पहली बार नहीं है जब ममता बनर्जी ने चुनावी हार को कोर्ट में चुनौती दी हो। इससे पहले 2021 के विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट पर शुभेंदु अधिकारी से हारने के बाद भी उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया था। वह मामला अभी भी लंबित है। अब भवानीपुर की हार को लेकर भी कानूनी लड़ाई शुरू हो गई है।

सुवेंदु अधिकारी से कितने वोटों से हारी थीं चुनाव?

देश के सबसे चर्चित चुनावी मुकाबलों में से एक रही इस जंग में भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को 15,104 मतों के अंतर से पराजित किया। शुभेंदु को 73,917 वोट मिले थे, जबकि ममता बनर्जी के खाते में 58,812 वोट आए थे। सीपीएम उम्मीदवार श्रीजीब विश्वास तीसरे स्थान पर रहे और उन्हें 3,556 वोट मिले थे।पड़ा। इस परिणाम ने तृणमूल कांग्रेस के खेमे को बड़ा झटका दिया था।

शुरूआती बढ़त के बाद पलटा था मुकाबला

दिलचस्प बात यह है कि मतगणना के शुरूआती और मध्य दौर में ममता बनर्जी ने अपनी पकड़

मजबूत बना रखी थी। 16वें और 17वें राउंड की गिनती पूरी होने तक वह स्पष्ट रूप से आगे चल रही थीं। लेकिन अचानक दोनों दिग्गजों के बीच का अंतर धीरे-धीरे सिमटता चला गया। अंतिम क्षणों में शुभेंदु अधिकारी ने शानदार बढ़त हासिल करते हुए जीत हासिल कर ली।

मतगणना के दिन हुआ था भारी हंगामा

4 मई 2026 को मतगणना के दौरान भवानीपुर के सखावत मेमोरियल स्कूल स्थित काउंटिंग सेंटर में काफी तनावपूर्ण माहौल देखने को मिला था। एक व्यक्ति के मोबाइल फोन लेकर अंदर पहुंचने के बाद कुछ समय के लिए मतगणना प्रक्रिया रोक

33 धार्मिक और पर्यटन स्थलों का होगा कायाकल्प, योगी सरकार खर्च करेगी 79 करोड़ रुपये

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार 33 पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास पर 79.18 करोड़ रुपये खर्च करेगी. टेंपल इकोनॉमी और स्थानीय रोजगार को मिलेगा बढ़ावा. उत्तर प्रदेश को वैश्विक पर्यटन के नक्शे पर और मजबूती से उभारने के लिए योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं. प्रदेश के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों को विश्वस्तरीय बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने के लिए पर्यटन विभाग ने 31 मार्च 2026 तक की स्वीकृत परियोजनाओं पर काम शुरू कर दिया है. इसके तहत राज्य के 33 पर्यटन और धार्मिक विकास कार्यों पर लगभग 79.18 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे.

'उद्धव ठाकरे के सांसदों को 15-15 करोड़ देकर खरीदा जा रहा', संजय राउत के दावों से मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में एक बार फिर उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। उद्धव ठाकरे गुट में एक बार फिर बड़ी टूट की आशंका जताई जा रही थी। इसी बीच उद्धव गुट के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बड़ा ही सनसनीखेज दावा कर दिया है। संजय राउत ने मंगलवार को कहा, "शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों को पाला बदलने के लिए 15-15 करोड़ रुपये के ऑफर दिए जा रहे हैं।"

राउत के इस बयान ने उन कयासों को और हवा दे दी है, जिनमें लोकसभा चुनाव के बाद उद्धव ठाकरे गुट में एक बार फिर बड़ी टूट की आशंका जताई जा रही थी।

संजय राउत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इस कथित खरीद-फरोख्त का खुलासा किया। उन्होंने लिखा कि "महाराष्ट्र के सांसदों को दल बदलने के लिए बड़ी रकम की पेशकश की जा रही है, जो

बेहद हैरान करने वाला और निंदनीय है।

गौरतलब बात है कि मुंबई में उद्धव ठाकरे द्वारा रविवार को मातोश्री में बुलाई गई एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में पार्टी के सभी सांसद मौजूद नहीं हुए। शिवसेना (यूबीटी) के कुल नौ लोकसभा सदस्यों में से सिर्फ चार ही व्यक्तिगत रूप से इस बैठक में शामिल हुए। अमरावती के नवनिर्वाचित सांसद संजय देशमुख की अनुपस्थिति पर कई राजनीतिक सवाल खड़े होने लगे, जिन्होंने पारिवारिक कारणों का हवाला दिया था।

हालांकि संजय राउत ने उन मीडिया रिपोर्टों को भी पूरी तरह से खारिज किया, जिनमें यह दावा किया गया था कि वे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर पार्टी में संभावित विभाजन को रोकने के लिए कोई बातचीत करने गए थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में उनकी उपस्थिति को लेकर कुछ लोग जानबूझकर झूठी अफवाहें उड़ा रहे हैं और पार्टी की ताकत को कमजोर आंकने की कोशिश कर रहे हैं।

'अपराधियों को बिहार छोड़ना होगा, नहीं तो श्मशान जाएंगे', योगी आदित्यनाथ की राह पर सम्राट चौधरी का ऐलान

सिवान से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ऐलान करते हुए कहा कि अपराधियों को बिहार छोड़ना होगा नहीं तो श्मशान घाट जाएंगे। अब अपराधी बचेंगे नहीं। एक तरफ बाबा हैं और दूसरे तरफ शुभेंदु।

(जीएनएस)।

सिवानः बिहार में अपराध को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की राह पकड़ ली है। सीएम सम्राट चौधरी ने सिवान में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपराधियों को चेतावनी दे दी। सम्राट चौधरी ने कहा कि अपराधी अपराध करना छोड़ दें। नहीं तो अपराधियों को बिहार छोड़ना होगा। और जो अपराधी ऐसा नहीं करेगा उसे फिर श्मशान जाना पड़ेगा।

सम्राट चौधरी ने दी अपराधियो को सख्त चेतावनी

सीएम सम्राट चौधरी ने अपराधियों को सख्त चेतावनी दी हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी जाति या धर्म का अपराधी हो उसे बिहार छोड़ना होगा। अगर बिहार नहीं छोड़ेगा तो शमशान जाने के लिए तैयार रहे। क्योंकि अब उन्हें कहीं पनाह मिलने वाली नहीं है। एक तरफ बाबा हैं और दूसरे तरफ शुभेंदु आ गए हैं। भाग कर अब कहां जाओगे।

सीएम ने सिवान को दी 415 करोड़ की सौगात

इसके पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार को सिवान जिले के पचरुखी प्रखंड के पपौर गांव पहुंचे। यहां जिला प्रशासन और एनडीए के नेताओं ने सीएम का स्वागत किया। समारोह में दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिले को करीब 415 करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं की सौगात दी है।

सीएम ने लाभुकों से बात कर जमीनी हकीकत को जाना

सहयोग शिविर में आमलोगों को कोई परेशानी न हो इसको लेकर मुख्यमंत्री ने जमीनी हकीकत को जानने की कोशिश की। उन्होंने अलग अलग योजना के लाभुकों से बातचीत कर फीडबैक लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि देश के प्रधानमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सपनों को सकार कर रहा हूं। नीतीश कुमार के छोड़े हुए कामों को पूरा करने का काम करुंगा। बिहार में उद्योगों का जाल बिछेगा और सिवान में भी चीनी मिल शुरू होगी। इसको लेकर डीएम को जमीन चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है।

जब डीएम का बेटा सरकारी स्कूल में पढ़ेगा उसी दिन सपना होगा साकार

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार ने स्कूलों में योग्य शिक्षक भर दिए हैं। सभी स्कूलों के शानदार भवन भी बन गए हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद : पहले चंपत राय पर आरोप, अब यू-टर्न राम मंदिर 'चंदा चोरी' पर विनय कटियार का बदला रुख

(जीएनएस)।

अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद को लेकर बीजेपी नेता विनय कटियार ने अपने रुख में बदलाव किया है. पहले आरोप लगाने के बाद अब उन्होंने कहा है कि मामले की सच्चाई रक्ष जांच के बाद ही सामने आएगी. साथ ही उन्होंने चंपत राय और ट्रस्ट से जुड़े लोगों पर टिप्पणी करते हुए जांच पूरी होने की बात कही है.

अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है. इस मामले को लेकर बीजेपी के वरिष्ठ नेता विनय कटियार ने अब अपने बयान में नरम रुख अपनाया है. पहले उन्होंने ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों पर चोरी में मिलीभगत के आरोप लगाए थे, लेकिन अब उन्होंने कहा है कि मामले की सच्चाई जांच के बाद ही सामने आएगी.

विनय कटियार ने आज तक से बातचीत में कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि चोरी हुई है या नहीं. उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की जांच की जरूरत है और जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी. उन्होंने यह भी कहा कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचना सही नहीं होगा.

कटियार ने कहा कि वे इस विषय पर संबंधित लोगों से भी बातचीत करेंगे और उसके बाद ही कोई टिप्पणी करेंगे. उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े चंपत राय का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि चंपत राय पुराने कार्यकर्ता और प्रचारक रहे हैं और उनसे मुलाकात के बाद ही पूरी स्थिति पर बात की जा सकेगी.

उन्होंने अपने बयान में यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि कुछ नीचे स्तर के कार्यकर्ता इस तरह की गड़बड़ी कर सकते हैं. उन्होंने इसे टीनू मीनू जैसे कार्यकताओं की तरफ इशारा करते हुए कहा कि गड़बड़ी नीचे स्तर पर हो सकती है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि उस समय ऊपर के लोग क्या कर रहे थे.

रक्ष जांच पर दिया जोर

विनय कटियार ने साफ कहा कि इस पूरे मामले में अंतिम सच एसआईटी जांच के बाद ही सामने आएगा. उन्होंने कहा कि जांच प्रक्रिया पूरी होने दी जाए और उसके बाद ही सभी तथ्य स्पष्ट हो पाएंगे. इस बयान के बाद राम मंदिर चढ़ावा विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है. पहले जहां आरोपों और बयानबाजी का दौर तेज था, वहीं अब नेता के रुख बदलने से मामला और भी संवेदनशील हो गया है. फिलहाल पूरे मामले की जांच एसआईटी के स्तर पर चल रही है और सभी पक्षों की नजर जांच के नतीजों

चढ़ावा प्रकरण की जांच के बीच 19 जून को अयोध्या आएंगे मुख्यमंत्री योगी

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा और दानराशि से जुड़े कथित अनियमितता प्रकरण की जांच के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 19 जून को अयोध्या आगमन की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास के जन्मदिवस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि जन्मदिवस के अवसर पर अयोध्या में धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन प्रस्तावित है, जिसमें संत-धमार्चार्यों के साथ विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रहेगी।

सम्पादकीय

भारत-नेपाल संबंध हैं बहुत विशेष

पड़ोसी जैसा मित्र और न ही पड़ोसी जैसा दुश्मन होता है। भारत के अपनी चाय आयात नीति में परिवर्तन करते ही नेपाल की चाय पैक्ट्रियों में ताले लटक गए। एक खबर के मुताबिक भारत ने अपने चाय उत्पादकों के भले के लिए आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी कर दी, परिणामस्वरूप 53 चाय पैक्ट्रियां बंद हो गईं और 20 हजार से ज्यादा श्रमिक बेरोजगार हो गए।

दरअसल भारत विश्व की सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है, इसलिए यहां हर चीज की खपत ज्यादा है। फिर भी इस वक्त पूरी दुनिया में स्वदेशी अर्थव्यवस्था की धूम सी मची है, उसको देखते हुए किसी दूसरे देश से चाय का आयात करना भारतीय चाय उद्योग के हितों की अनदेखी करना है। भारत कदापि नहीं चाहेगा कि देश में पर्याप्त चाय उत्पादन के बावजूद नेपाल या किसी भी मित्र देश की चाय उत्पाद का आयात करे क्योंकि इससे न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था पर विपरीत असर पड़ेगा बल्कि यह चाय उद्योग से जुड़े भारतीय नागरिकों एवं व्यवसायियों के साथ विश्वासघात होगा। यही कारण है कि भारत ने अपने कमजोर पड़ोसियों के प्रति संकोचवश लचीली आयात नीति में परिवर्तन कर दिया।

भारत और नेपाल सही अथरे में मित्र ही नहीं रक्त संबंधी भी हैं किन्तु नेपाल वुछ वषरे से भारत को शोषक पड़ोसी साबित करने पर तुला है। भारतीय हितों को ठेंगा दिखाते हुए नेपाल ने अपने बाजार चीन के लिए खोल कर अपनी नीयत को स्पष्ट कर दिया कि काठमाण्डु के लिए नईं दिल्ली से ज्यादा महत्वपूर्ण पेइचिंग है।

वास्तविकता यह है कि भारत के साथ नेपाल का जो विशेष संबंध था, वह सांस्वृतिक यानि सनातनी था। चीन ने सबसे पहले नेपाल में मार्क्सवाद का बीजारोपण किया और बाद में जब मार्क्सवादी कामरेड अराजकतावादी बन गए तब चीन ने बड़ी ही चतुराई से नेपाल को लालच देकर भारतीयता का विरोधी बना दिया। नेपाल यह अच्छी तरह जातना है कि भारत उसके प्रति हमेशा नरम रुख अपनाएगा कारण कि भारत नेपाल के प्रति कड़ा रुख अपनाकर उसे चीन पर निर्भर बनाने की रणनीतिक भूल नहीं करेगा। नेपाल भारत को यह धमकी भी देता रहता है कि यदि भारत से नेपाल के हित नहीं सधते तो उसके लिए चीन विकल्प खुला है। इसीलिए नेपाल की वूटनीतिक सौदेबाजी को वूटनीतिक ब्लैकमेलिंग भी कहा जाता है। भारत नेपाल संबंधों के जानकार तो यहां तक मानते हैं कि नेपाल ने पहले चीन को ब्लैकमेल किया कि यदि पेइचिंग ने उसके प्रति लचीला रवैया नहीं अपनाया तो भारत नेपाल के लिए मजबूरी बन जाएगा। दूसरी तरफ भारत से कहता है कि यदि भारत उसके हितों का ध्यान नहीं रखेगा तो नेपाल चीन का दरवाजा खटखटाएगा। इस तरह नेपाल भारत और चीन दोनों के साथ चतुराई भरी वूटनीतिक ब्लैकमेलिंग करता है।

मजे की बात तो यह है कि नेपाल भारत के साथ उतना ही संबंध रखता है जितना कि चीन के हितों को नुकसान न हो किन्तु वह भारत से उम्मीद करता है कि नईं दिल्ली उससे 1950 के दशक वाला संबंध रखे। उल्लेखनीय है कि 1950 के दशक में नेपाल चाहता था कि भारत उसके रक्षा, विदेश और संचार मामले अपने हाथ में ले ले। भारत भी नेपाल के हर तरह के हितों का संरक्षण करना अपना कर्तव्य समझता था। किन्तु आज का नेपाल पूरी तरह स्वाथी और भारत की अपेक्षा चीन के प्रति ज्यादा वृतज्ञता दशार्ता दिखता है। नेपाल के नीति निर्धारकों को पता नहीं यह गलतफहमी कैसे हो गईं कि उनके ऐसे व्यवहार के बावजूद 2026 का भारत 1950 के दशक वाले भारत की तरह व्यवहार करेगा। लब्बोलुआब यह है कि भारत अपने अच्छे और बुरे दोनों तरह के पड़ोसियों के आशय को अच्छी तरह पहचानता है।

इसीलिए अब किसी को खुश करने के लिए उसके प्रति अपनी नीति का निर्धारण नहीं करता। नेपाल यदि चाहता है कि भारत अपने चाय वृषकों एवं उत्पादकों के हितों के साथ समझौता करके नेपाली चाय उद्योग को बचाने की सहृदयता दिखाए तो नेपाल को भी भारत के साथ मैत्री एवं भ्रातृत्व संबंधों को समुचित निर्वहन करना होगा।

महाराणा प्रताप का जीवन आजादी के त्याग और लगातार संघर्ष का एक अनोखा उदाहरण

हल्दीघाटी का युद्ध सिर्फ इतिहास की किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि देशभक्ति का एक जीता-जागता प्रतीक है: लोक सभा अध्यक्ष

लोक सभा अध्यक्ष ने युवाओं से अपील की कि वे 'विकसित भारत' बनाने के लिए महाराणा प्रताप की तरह मेहनत और समर्पण से काम करें

एक सच्चा विकसित भारत वह होगा जहाँ हमारी पुरानी संस्कृति और आज की नई तकनीक का बेहतरीन मेल होगा: लोक सभा अध्यक्ष

(जीएनएस)।

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज कहा कि मेवाड़ की पवित्र धरती ने पूरी दुनिया को साहस, वीरता और स्वाभिमान का संदेश दिया है। उदयपुर में महाराणा प्रताप की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि इस महान योद्धा का जीवन देशभक्ति, त्याग और आजादी की लड़ाई का एक अनोखा उदाहरण है, जो आज की और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा रास्ता दिखाता रहेगा।

श्री बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप ने जानबूझकर राज-पाट के ऐशो-आराम को छोड़ दिया। उन्होंने अपना पूरा जीवन अपनी जनता की सेवा, मेवाड़ की आजादी और लोगों के सम्मान की रक्षा में लगा दिया। उन्होंने आगे कहा कि इतिहास में मेवाड़ का संघर्ष अनोखा है। बहुत कम साधन होने के बाद भी महाराणा प्रताप ने स्थानीय भील समुदाय और आम लोगों के साथ मिलकर देश की पहचान और सम्मान को बचाने के लिए बड़े हौसले और भरोसे के साथ लड़ाई लड़ी।

इस क्षेत्र के इतिहास की बात करते हुए श्री बिरला ने कहा कि महाराणा प्रताप, महारानी पद्मिनी, महाराणा कुंभा और राणा पुंजा जैसी महान हस्तियाँ देश सेवा के लिए हमेशा प्रेरणा देती रहेंगी। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी का ऐतिहासिक युद्ध सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देशभक्ति और अन्याय के खिलाफ लड़ाई का एक जीता-जागता प्रतीक बन चुका है।

इतिहास की इस सीख को आज के लक्ष्यों से जोड़ते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने युवाओं से अपील की कि वे 'विकसित भारत' बनाने के लिए इसी मेहनत और समर्पण के साथ काम करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, देश के लिए समर्पण, अनुशासन और ज़िम्मेदारी की भावना सबसे ज्यादा जरूरी है।

श्री बिरला ने कहा कि एक सच्चा विकसित भारत वह होगा, जहाँ संस्कृति की पुरानी पहचान भी होगी और आज के जमाने की नई तकनीक भी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि कि मेवाड़ का यह प्रेरक इतिहास आने वाली पीढ़ियों को देश की सेवा और स्वाभिमान के रास्ते पर चलने के लिए

टीएमसी पर किसका कब्जा? ममता या बागी सांसद? कोर्ट पहुंची लड़ाई तो किसके हाथ में रहेगी पार्टी

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में शायद यह सबसे बड़ा संकट है, जिसका सामना ममता बनर्जी को अपने राजनीतिक करियर में करना पड़ रहा है। तृणमूल कांग्रेस (ळटउ) के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों का पार्टी से अलग होना केवल राजनीतिक झटका नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर पार्टी के अस्तित्व और उसके चुनाव चिन्ह तक की लड़ाई बन सकता है। यही वजह है कि अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि अगर मामला चुनाव आयोग और अदालत तक पहुंचता है तो आखिर 'असली ळटउ' किसे माना जाएगा?

वरिष्ठ नेता सुदीप बंदोपाध्याय और काकोली घोष दस्तीदार की अगुवाई में इन 20 सांसदों ने दिल्ली में लोकसभा स्पीकर को चिट्ठी सौंपकर एक छोटी सी क्षेत्रीय पार्टी 'नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया' (ठउढक) में अपने विलय (टीशै१) का ऐलान कर दिया है। इस बगावत ने देश की सियासत में एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है- क्या महाराष्ट्र के शिवसेना और एनसीपी विवाद की तरह अब बंगाल में भी ममता बनर्जी के हाथ से उनकी पार्टी का नाम और 'जोड़ा फूल' चुनाव चिह्न छिन जाएगा?

बागी गुट का दावा है कि जुलाई में संसद सत्र शुरू होते ही वे खुद को 'असली टीएमसी' घोषित करने की कानूनी लड़ाई शुरू करेंगे। आइए समझते हैं कि इस कानूनी लड़ाई में किसका पलड़ा भारी है और कोर्ट की चौखट पर जाकर यह मामला कैसे पलटने वाला है।

सांसदों की बगावत या कानून से बचने का जुगाड़?

बागी सांसदों के इस कदम को समझने के लिए सबसे पहले 'दल-बदल विरोधी कानून' को समझना होगा। साल 1985 में संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत यह कानून इसलिए लाया गया था ताकि कोई भी सांसद या विधायक पैसों या पद के लालच में अपनी पार्टी न बदले।

साल 2003 में हुए 91वें संविधान संशोधन के बाद एक नियम पूरी तरह खत्म कर दिया गया-वह था 'विभाजन' का नियम। यानी अब आप किसी पार्टी में रहकर यह नहीं कह सकते कि हम एक-तिहाई लोग अलग गुट बना रहे हैं।

अब संसद या विधानसभा में

अपनी सदस्यता बचाने का सिर्फ एक ही रास्ता है-'विलय'। कानून कहता है कि अगर किसी पार्टी के कम से कम दो-तिहाई (2/3) सदस्य किसी दूसरी पार्टी में जाकर मिल जाते हैं, तभी उनकी सदस्यता बचेगी। टीएमसी के पास लोकसभा में 28 सांसद थे, जिसका दो-तिहाई आंकड़ा 20 बैठता है।

बागियों ने इस आंकड़े को तो छू लिया और खुद को अयोग्य होने से बचाने के लिए त्रिपुरा की एक गुमनाम सी पार्टी ठउढक का सहारा लिया। लेकिन कानून के जानकार इसे 'शेल कंपनी' की तरह सिर्फ एक कानूनी जुगाड़ मान रहे हैं, जो अदालत में टिकना बेहद मुश्किल है।

▶ सुप्रीम कोर्ट के वो फैसले जो बागियों की राह में बनेंगे रोड़ा

बागी गुट भले ही दो-तिहाई सांसदों के दम पर अपनी पीठ थपथपा रहा हो, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ी ढाल बनने जा रहे हैं। लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचार्य और वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी जैसे जानकारों का मानना है कि बागियों ने जो रास्ता चुना है, उसमें कई कानूनी खामियां हैं। सुप्रीम कोर्ट के तीन बड़े फैसले इस पूरे मामले की दिशा तय करेंगे:

◆सुभाष देसाई बनाम महाराष्ट्र राज्यपाल (2023 - शिवसेना विवाद): इस ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने साफ कहा था कि 'मूल राजनीतिक दल' और 'विधायक/सांसद दल' दो अलग-अलग चीजें हैं। सदन के भीतर बैठे जनप्रतिनिधि खुद को पूरी पार्टी का मालिक नहीं मान सकते। व्हिप जारी करने और पार्टी के बड़े फैसले लेने का असली हक मूल संगठन और उसके अध्यक्ष (ममता बनर्जी) के पास ही सुरक्षित रहता है।

◆डॉ. महाचंद्र प्रसाद सिंह (2004) और राजेंद्र सिंह राणा (2007) केस: इन मामलों में अदालत ने साफ किया था कि विलय हमेशा दो राजनैतिक दलों के बीच संगठन के स्तर पर होना चाहिए, न कि केवल कुछ सांसदों या विधायकों के स्तर पर। अगर मूल पार्टी का संगठन विलय के लिए तैयार नहीं है, तो केवल सांसदों का दूसरी पार्टी में जाना सीधा-सीधा 'दल-बदल' माना जाएगा।

◆रवि नाइक बनाम भारत सरकार (1994): अदालत ने स्पष्ट किया था कि अगर किसी जनप्रतिनिधि की गतिविधियां अपनी ही पार्टी की नीतियों और मूल नेतृत्व के खिलाफ हैं, तो उसे 'स्वेच्छा से सदस्यता छोड़ना' माना जाएगा।

▶ चुनाव आयोग का वो पैराग्राफ 15 और सादिक अली केस

बागी नेता सुदीप बंदोपाध्याय का कहना है कि वे जुलाई में चुनाव आयोग के सामने 'असली टीएमसी' होने का दावा ठोकेंगे। जब भी ऐसी स्थिति आती है, तो चुनाव आयोग 'इलेक्शन सिंबल्स (रिजर्वेशन एंड अलॉटमेंट) ऑर्डर, 1968' के पैराग्राफ 15 के तहत कार्रवाई करता है। 1971 के मशहूर 'सादिक अली बनाम चुनाव आयोग' मामले के आधार पर आयोग तीन मुख्य पैमानों पर दावों की जांच करता है:

◆1. जनप्रतिनिधियों का बहुमत

आयोग देखता है कि संसद और विधानसभा में कितने लोग किस गुट के साथ हैं। यहाँ बागियों का पक्ष मजबूत दिखता है, क्योंकि उनके पास 28 में से 20 लोकसभा सांसद हैं और वे राज्य के 80 में से 60 से ज्यादा विधायकों के समर्थन का दावा भी कर रहे हैं। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष रथिंद्र नाथ बोस ने ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दे दी है, जिसे टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

◆2. संगठन पर पकड़

आयोग यह भी जांचता है कि पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी, पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों में किसका पलड़ा भारी है। इस मोर्चे पर ममता बनर्जी बेहद मजबूत हैं, क्योंकि अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के संगठन पर आज भी उनका और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का पूरा नियंत्रण है। हालांकि, महाराष्ट्र के मामलों में आयोग ने संगठन से ज्यादा जनप्रतिनिधियों की संख्या को तवज्जो दी थी, जो ममता के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

◆3. पार्टी का संविधान

आयोग देखता है कि क्या पार्टी के भीतर बगावत या नए नेतृत्व का चुनाव पार्टी के आंतरिक नियमों और संविधान के तहत हुआ है या नहीं। चूंकि टीएमसी का पूरा ढांचा ममता बनर्जी के इर्द-गिर्द बुना गया है, इसलिए बागियों के लिए खुद को पार्टी के संविधान के तहत 'असली' साबित करना एक टेढ़ी खीर होगी।

▶ क्या जब्त हो जाएगा टीएमसी का चुनाव चिन्ह?

इस पूरी कानूनी जंग का नतीजा क्या निकलेगा? अगर चुनाव आयोग को लगता है कि दोनों पक्षों के दावे बेहद उलझे हुए हैं और तुरंत किसी एक के पक्ष में फैसला नहीं दिया जा सकता, तो आयोग अंतरिम आदेश जारी कर सकता है। ऐसी स्थिति में टीएमसी का नाम और उसका प्रसिद्ध 'जोड़ा फूल' सिंबल फ्रीज (जब्त) किया जा सकता है। इसके बाद दोनों गुटों को चुनाव के लिए अस्थाई तौर पर नए नाम और नए चुनाव चिह्न दिए जाएंगे।

अभिषेक बनर्जी ने पहले ही लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र भेजकर बागी गुट को मान्यता न देने और अधिकृत व्हिप का पालन कराने की मांग की है। सागरिका घोष और कीर्ति आजाद जैसे नेताओं ने साफ कर दिया है कि वे इस लड़ाई को इतनी आसानी से नहीं छोड़ेंगे। चुनाव आयोग या स्पीकर का फैसला जिसके भी खिलाफ जाएगा, वह तुरंत सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा।

लड़ाई का लब्बोलुआब यह है कि कागजी और विधायी आंकड़ों (सांसदों की संख्या) के जाल में बागी गुट ने ममता बनर्जी की घेराबंदी बहुत तगड़ी की है। उन्होंने कानून की कमियों का फायदा उठाकर अपनी सांसदी तो फिलहाल बचा ली है, लेकिन टीएमसी की आत्मा इसके लाखों कार्यकर्ता और संगठन हैं, जो पूरी तरह ममता बनर्जी के साथ खड़े हैं।

लखनऊ में भारत-अफगानिस्तान का मुकाबला आज, दर्शकों को रोहित शर्मा से धमाकेदार पारी की उम्मीद

चोटिल विराट कोहली और हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी में सीरीज में टीम इंडिया के सबसे बड़े चेहरे रोहित शर्मा होंगे। ऐसे में दर्शकों को रोहित शर्मा से एक धमाकेदार पारी की उम्मीद होगी।

टीम इंडिया वनडे सीरीज में अजेय बढ़त लेने के लिए बुधवार को अफगानिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरेगी। भारतीय टीम शुभमन गिल और अफगानिस्तान टीम हशमतुल्लाह शहीदी की कप्तानी में इकाना स्टेडियम में दोपहर 1:30 बजे से मुकाबले को

उतरेंगी। चोटिल विराट कोहली और हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी में सीरीज में टीम इंडिया के सबसे बड़े चेहरे रोहित शर्मा होंगे। ऐसे में दर्शकों को रोहित से एक धमाकेदार पारी की उम्मीद होगी। इकाना स्टेडियम में होने वाले मुकाबले के लिए मंगलवार को दोनों टीमों ने कड़ा अभ्यास करके अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

पिछले मुकाबलों को आधार माने तो इकाना स्टेडियम में लक्ष्य का पीछा करना आसान रहा है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला कर सकती है।

लखनऊ चिड़ियाघर के अध्ययन में मगरमच्छ की अनूठी जीवनशैली का खुलासा

(जीएनएस)।

लखनऊ। विश्व मगरमच्छ दिवस के अवसर पर नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान (लखनऊ चिड़ियाघर) में मगरमच्छों पर एक अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन में मगरमच्छ की अनूठी जीवनशैली और शिकार करने की रणनीति का खुलासा हुआ है। वन्यजीव चिकित्सकों ने बताया कि मगरमच्छ शेर या बाघ से बिल्कुल अलग तरीके से शिकार करते हैं। वे भोजन पचाने से पहले अपने शरीर का तापमान बढ़ाते हैं।

अध्ययन के अनुसार, मगरमच्छ शिकार करने या भोजन पचाने से पहले खुद को औसत से अधिक गर्म करते हैं। यह उन्हें मांस को अच्छी तरह से पचाने में मदद करता है। मगरमच्छ का उपापचय बेहद धीमा होता है। जब वे हिरण या जंगली सूअर जैसे बड़े शिकार को निगलते हैं, तो उन्हें पचाने के लिए अत्यधिक शारीरिक ऊष्मा चाहिए। पेट भरकर खाने के बाद मगरमच्छ धूप में बैठ जाते हैं। सूर्य की किरणें उनके विशाल शरीर को गर्म करती हैं। इससे उनके पेट के पाचक एंजाइम और अम्लीय तत्व सक्रिय हो जाते हैं। यह एसिड शिकार की मजबूत हड्डियों और खुरों को भी गला देता है।

पानी के भीतर सांस रोकने की क्षमता

लखनऊ चिड़ियाघर के वन्यजीव चिकित्सक और उप निदेशक उत्कर्ष शुक्ला ने बताया कि मगरमच्छ सामान्यतः 15 से 30 मिनट तक पानी के अंदर सांस रोक सकते हैं। विशेष परिस्थितियों में वे दो घंटे या उससे अधिक समय तक पानी में रहते हैं। ऐसा तब होता है जब वे पानी के नीचे बिल्कुल शांत बैठे हों। इस दौरान मगरमच्छ अपनी ऊर्जा बचाते हैं। पानी में जाने पर वे अपने दिल की धड़कन बहुत धीमी कर लेते हैं। इस खूबी से उनके शरीर में ऑक्सीजन की खपत बेहद कम हो जाती है।

लखनऊ चिड़ियाघर में मगरमच्छों का प्रबंधन

लखनऊ चिड़ियाघर के निदेशक संजय कुमार बिश्वाल के अनुसार, चिड़ियाघर परिसर में इस समय करीब 13 मगरमच्छ हैं। गर्मी के मौसम में वे अपना अधिकांश समय पानी के भीतर ही बिताते हैं। मौजूदा समय में उन्हें सप्ताह में केवल दो दिन भोजन दिया जाता है। सर्दियों या ठंडे मौसम में मगरमच्छ भोजन करना पूरी तरह बंद कर देते हैं। एक वयस्क मगरमच्छ एक बार भरपेट भोजन करने के बाद कई महीनों तक बिना कुछ खाए-पिए जीवित रह सकता है। यह उनकी धीमी उपापचय दर के कारण संभव होता है।

संचिता उगले को किसी ने परेशान कर रखा था? मोबाइल बताएगा मौत की असली कहानी, पापा ने खोली सारी परतें

(जीएनएस)।

टीवी इंडस्ट्री की उभरती एक्ट्रेस संचिता उगले की मौत ने पूरे एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को झकझोर कर रख दिया है। एक्ट्रेस की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद कई सवाल लगातार उठ रहे हैं। शुरूआती जांच में कहा जा रहा था कि संचिता ने खुद अपनी जान ले ली है लेकिन आखिर वह कौन सी वजह थी जिसने इतनी कम उम्र में एक सफल होती कलाकार को ये कदम उठाने पर मजबूर किया, इसका जवाब अभी तक नहीं मिल पाया है।

संचिता उगले की मौत बनी रहस्य, मोबाइल फोन से पता चलेगा सच

अब इस पूरे मामले में पुलिस की नजर संचिता उगले के मोबाइल फोन और डिजिटल गतिविधियों पर टिकी हुई है। जांच अधिकारियों को उम्मीद है कि फोन में मौजूद जानकारी इस केस की सबसे अहम कड़ी साबित हो सकती है। मोबाइल से ही इस मामले की कई परतें खुल सकती हैं।

मोबाइल डेटा से तलाशे जा रहे जवाब

सूत्रों के अनुसार पुलिस ने संचिता उगले का मोबाइल फोन अपने कब्जे में लेकर उसकी गहन जांच शुरू कर दी है। कॉल हिस्ट्री, मैसेजेस,सोशल मीडिया चैट, इंस्टाग्राम एक्टिविटी और हालिया संपर्कों की पड़ताल की जा रही है। जांच एजेंसियां ये जानने की कोशिश कर रही हैं कि मौत से पहले संचिता किन लोगों के संपर्क में थीं और क्या उनकी निजी या प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा कुछ चल रहा था, जिसने उन्हें मानसिक रूप से प्रभावित किया हो। डिजिटल ट्रेल से मिले सुराग अब जांच की दिशा तय कर सकते हैं।

6 महीने से चल रहा था डिप्रेशन का इलाज

-जांच से जुड़े सूत्रों का दावा है कि संचिता पिछले करीब 6 महीनों से डिप्रेशन का इलाज करवा रही थीं। पुलिस को उनके इलाज और डॉक्टरों से हुई बातचीत से जुड़े कुछ डिजिटल रिकॉर्ड भी मिले हैं। हालांकि जांचकताओं के सामने सबसे बड़ा सवाल अब भी यही है कि आखिर वह कौन सी वजह थी जिसके चलते एक्ट्रेस लंबे समय से मानसिक तनाव का सामना कर रही थीं।

-सवाल उठ रहे हैं कि क्या इसके पीछे संचिता के निजी जीवन की

परेशानियां थीं, करियर का दबाव था या कोई अन्य कारण, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। फिलहाल पुलिस इसी एंगल पर सबसे ज्यादा फोकस कर रही है।

सोशल मीडिया पर दिख रही थीं सामान्य

-इस मामले को और भी पेचीदा इसलिए माना जा रहा है क्योंकि मौत से कुछ समय पहले तक संचिता उगले सोशल मीडिया पर एक्टिव थीं। उनके आखिरी पोस्ट और वीडियो सामने आने के बाद कई फैंस ने हैरानी जताई है।

-वीडियो और पोस्ट में वह नॉर्मल और खुश दिखाई दे रही थीं। ऐसे में अचानक सामने आई मौत की खबर ने उनके चाहने वालों को गहरे सदमे में डाल दिया है। सोशल मीडिया पर लगातार ये सवाल पूछा जा रहा है कि आखिर पर्दे के पीछे ऐसा क्या चल रहा था, जो किसी को नजर नहीं आया।

परिवार और करीबी लोगों के बयानों ने बढ़ाए सवाल

संचिता उगले की मौत के बाद परिवार और दोस्तों की ओर से भी कई अहम बातें सामने आई हैं। कुछ करीबी लोगों का कहना है कि एक्ट्रेस पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान थीं और कई बातों को लेकर तनाव में रहती थीं। वहीं कुछ दोस्तों ने भी कथित तौर पर उन पर पड़ रहे दबाव और तनाव का जिक्र किया है। हालांकि इन दावों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस सभी बयानों की जांच कर रही है।

पिता का छलका दर्द, बोले- अचानक डिप्रेशन में चली जाती थी

-संचिता उगले के पिता मच्छिन्द्र उगले ने एनडीटीवी से बात करते हुए कहा कि उनकी बेटी अक्सर परेशान रहती थी लेकिन उसने कभी खुलकर अपनी परेशानी की वजह नहीं बताई। उन्होंने कहा कि कई बार वह सामान्य और खुश दिखाई देती थी लेकिन अचानक गहरे तनाव में चली जाती थी। परिवार को ये अंदाजा नहीं था कि उसकी मानसिक स्थिति इतनी गंभीर हो सकती है कि वह ऐसा बड़ा कदम उठा लेगी।

-संचिता के पिता के अनुसार परिवार हमेशा उसके साथ रहने की कोशिश करता था और उसे अकेला नहीं छोड़ता था लेकिन घटना वाले दिन कुछ समय के लिए वह घर में अकेली थी और इसी दौरान ये दुखद घटना हो गई।

क्या संचिता पर किसी तरह का दबाव था?

संचिता के पिता ने ये भी संकेत दिया कि उनकी बेटी किसी न किसी प्रकार के दबाव का सामना कर रही थी।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

शाम को आईपीएस, सुबह जेल! लखनऊ से गिरफ्तार फ्रॉड मिथिलेश शुक्ला की कहानी; बिना पैसे दिए चाय-बन खाकर दिखा रहा था हेकड़ी

(जीएनएस)।

लखनऊ में चाय के पैसे के विवाद पर असली पुलिसकर्मियों से सैल्यूट मांगकर रौब झाड़ने वाले फर्जी आईपीएस मिथिलेश शुक्ला को जेल भेज दिया गया है. आरोपी मूल रूप से नोएडा की सैमसंग कंपनी का कर्मचारी है. पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा डालने और धमकाने के आरोप में यह कार्रवाई की है.

यूपी की राजधानी लखनऊ से गिरफ्तार किए गए फर्जी आईपीएस मिथलेश शुक्ला को जेल भेज दिया गया है. मिथिलेश ने अधिकारी बनकर पुलिसवालों के साथ फजीर्वाड़ा करने की कोशिश की थी. उसने दारोगा-सिपाही के सामने पहले तो हेकड़ी दिखाई कि वो नोएडा में पोस्टेड है, लेकिन बाद में पुलिस की सख्ती के आगे उसकी एक न चली. जिसके बाद पुलिसकर्मी उसे अपने साथ लेकर महानगर थाना गए. फिर वहां से कोर्ट में पेश करने के बाद उसे सलाखों के पीछे भेज दिया.

आपको बता दें कि लखनऊ के

महानगर थाना क्षेत्र से जालसाजी और धौंस जमाने का एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां पुलिस ने एक ऐसे शातिर शख्स को दबोचा है, जो खुद को फर्जी आईपीएस (IPS) अधिकारी बताकर असली पुलिसकर्मियों पर ही रौब झाड़ रहा था.

पुलिस के मुताबिक, घटना 13 जून 2026 की रात की है. महानगर के गोल मार्केट चौराहे पर एक चाय की दुकान पर आरोपी का दुकानदार वीरू गुप्ता से पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हो गया था. सूचना मिलते ही जब हल्का प्रभारी उपनिरीक्षक आर्यन शर्मा अपनी टीम और सरकारी बुलेरो जीप के साथ मौके पर पहुंचे, तो आरोपी पुलिस टीम पर ही भड़क गया.

असली पुलिसवालों से मांगा सैल्यूट

जब पुलिस ने उससे नाम-पता पूछा, तो उसने धमकाते हुए कहा, "मैं आईपीएस नोएडा हूं, तुम लोगों की कैप कहां है? तुम लोगों ने मुझे सैल्यूट क्यों नहीं किया?" पुलिसकर्मियों को जब उसके हाव-भाव पर शक हुआ और उन्होंने आई-कार्ड मांगा, तो उसने बहाना बनाया कि कार्ड अभी पास नहीं है, कल सुबह दिखाएगा.

सख्ती बरतने पर खुली पोल

कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी की सारी हेकड़ी धरी की धरी रह गई. उसकी पहचान मिथिलेश शुक्ला (पुत्र स्व. राम बरन शुक्ला, निवासी मड़ियांव, लखनऊ) के रूप में हुई. उसने कबूल किया कि वह नोएडा के सेक्टर-18 में सैमसंग कंपनी में जॉब करता है. खुद को फर्जी आईपीएस बताकर सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस को धमकाने के आरोप में पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है.

लखनऊ ऐशबाग स्टेशन पर राप्तीसागर एक्सप्रेस में बम की अफवाह, डेढ़ घंटे तक छावनी बना रहा रेलवे स्टेशन

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां पहुंची ट्रेन संख्या 12512 राप्तीसागर एक्सप्रेस में बम होने की खबर मिली. इस सूचना के बाद स्टेशन परिसर और ट्रेन के भीतर करीब डेढ़ घंटे तक अफरा-तफरी और भारी तनाव का माहौल बना रहा.

जैसे ही बम होने की यह सूचना रेलवे के आला अफसरों को मिली, तो प्रशासनिक अमले में भी हड़कंप मच गया. अधिकारियों ने बिना वक्त गंवाए आनन-फानन में इस गंभीर मामले की जानकारी राजकीय रेलवे पुलिस को दी.

आउटर पर उतरे चार युवकों ने फैलाई थी अफवाहः जीआरपी की शुरूआती जांच और पूछताछ में पता चला कि ट्रेन के ऐशबाग स्टेशन पहुंचने से ठीक पहले जब वह आउटर पर खड़ी थी, तब वहां चार अज्ञात युवक उतरे थे. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रेन से नीचे उतरते ही उन युवकों ने जोर-जोर से चिल्लाकर बोगी में बम होने की झूठी अफवाह फैला दी थी. इस शोर को सुनते ही ट्रेन के भीतर बैठे यात्रियों में अपनी जान बचाने के लिए भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई. इसके बाद सुरक्षा बलों ने करीब डेढ़ घंटे तक पूरी ट्रेन की बारीकी से जांच की. इसके बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया.

हेल्पलाइन नंबर पर मिली थी कोच र-2 में बम की खबरः जीआरपी इंस्पेक्टर धर्मवीर सिंह ने बताया कि रेलवे के आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर पर एक यात्री ने सूचना दी थी कि राप्तीसागर एक्सप्रेस के कोच एस-2 में बम रखा हुआ है. यह अलर्ट मिलने के कुछ ही मिनटों बाद ट्रेन ऐशबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर आकर रुकी थी. हालांकि, ट्रेन के पहुंचने से पहले ही स्टेशन पर हाई अलर्ट घोषित कर पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर छावनी में तब्दील कर दिया गया था. स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर बम निरोधक दस्तेको भी तुरंत मौके पर बुला लिया था.

बोगी खाली कराकर की गई जांचः जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर आकर रुकी, सुरक्षाकर्मियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए कोच एस-2 के सभी यात्रियों को समझा-बुझाकर सुरक्षित नीचे उतारा. इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने कोच एस-2 के साथ-साथ पूरी ट्रेन के एक-एक कोने और संदिग्ध सामान की बारीकी से मेटल डिटेक्टर से जांच की, लेकिन जांच में कोई भी विस्फोटक सामग्री नहीं मिली. इसके बाद जीआरपी ने उस मोबाइल नंबर पर कॉल बैक किया जिससे हेल्पलाइन पर सूचना दी गई थी, तो पता चला कि फोन करने वाला युवक देवरिया का रहने वाला जैकी साहनी है और वह उसी ट्रेन में सफर कर रहा था.

सीसीटीवी फुटेज से होगी आरोपियों की पहचानः हिरासत में लेकर की गई पूछताछ में जैकी ने बताया कि आउटर पर ट्रेन रुकने के दौरान चार युवकों ने नीचे उतरते समय बम होने की बात कही थी, जिससे डरकर उसने बोगी में लिखे आपातकालीन नंबर पर कॉल कर दी थी. जीआरपी इंस्पेक्टर धर्मवीर सिंह ने बताया कि युवक की नीयत साफ और बात सही लगने के बाद उसे देर शाम पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया. अब पुलिस जैकी द्वारा बताए गए समय और स्थान के आधार पर उन चारों शरारती तत्वों की सरगर्मी से तलाश कर रही है. इसके लिए राप्तीसागर एक्सप्रेस और स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि अफवाह फैलाने वालों को गिरफ्तार किया जा सके.

इकाना स्टेडियम में मैच के कारण आज बदला रहेगा यातायात, भारत और अफगानिस्तान के बीच होगा मुकाबला

भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबले के कारण ट्रैफिक पुलिस ने सुबह नौ बजे से मैच की समाप्ति तक डायवर्जन प्लान लागू किया है। इमरजेंसी की स्थिति में एंबुलेंस, शव वाहन, फायर ब्रिगेड और स्कूली वाहनों को पुलिस निकलवाएगी।

(जीएनएस)।

इकाना स्टेडियम में बुधवार को भारत और अफगानिस्तान के बीच एक दिवसीय क्रिकेट मैच खेला जाएगा। इसके कारण स्टेडियम के आसपास यातायात में परिवर्तन किया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने सुबह नौ बजे से मैच की समाप्ति तक डायवर्जन प्लान लागू किया है। इमरजेंसी की स्थिति में एंबुलेंस, शव वाहन, फायर ब्रिगेड और स्कूली वाहनों को पुलिस निकलवाएगी। अयोध्या रोड से सामान्य यातायात कमता तिराहे से शहीद पथ होकर सुल्तानपुर रोड, रायबरेली रोड व कानपुर रोड की तरफ नहीं जा सकेगा। यह कमता तिराहा, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान चौराहा, समतामूलक चौराहा, लालबत्ती चौराहा, करियप्पा चौराहा, तेलीबाग चौराहा, बाराबिरवा चौराहा या इंदिरा नहर चौराहा से किसान पथ होकर जा सकेगा।

- शहीद पथ कानपुर रोड तिराहा से यातायात शहीद पथ होकर सुल्तानपुर रोड, रायबरेली रोड, अयोध्या रोड की तरफ नहीं जा सकेगा। यह बाराबिरवा चौराहा, बंगलाबाजार चौराहा, तेलीबाग चौराहा, करियप्पा चौराहा, लालबत्ती चौराहा, 1090 चौराहा या दरोगाखेड़ा किसान पथ होकर जाएगा।

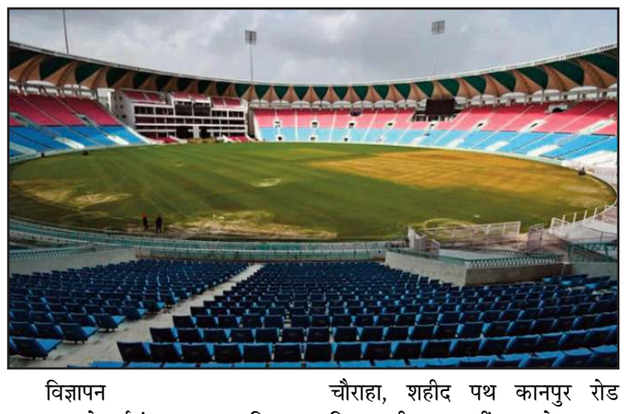

विज्ञापन

- गोसाईगंज कस्बा तिराहा सुल्तानपुर रोड से बड़े वाहन, बस, कमर्शियल वाहन गोसाईगंज कस्बा तिराहा या अमूल डेयरी कटिंग से अहिमामऊ की तरफ नहीं जा सकेगा। यह वाहन अमूल डेयरी कटिंग से बाएं वृंदावन योजना या कबीरपुर किसान पथ होकर जा सकेंगे।

- उतरेठिया अंडरपास चौराहा रायबरेली रोड, कैंट रोड से बड़े वाहन, बस, कमर्शियल वाहन उतरेठिया अंडरपास चौराहा से शहीद पथ पर चढ़कर अहिमामऊ चौराहा, कमता तिराहा अयोध्या रोड की तरफ नहीं जा सकेगा। यह तेलीबाग चौराहा, बाराबिरवा चौराहा, करियप्पा चौराहा या हरीकंशगढ़ी किसान पथ होकर जा सकेंगे।

- हुसड़िया अंडरपास चौराहा की तरफ से सामान्य यातायात अहिमामऊ चौराहा, शहीद पथ कानपुर रोड तिराहा की तरफ नहीं जा सकेगा। यह शहर क्षेत्र से होकर 1090 चौराहा के रास्ते जा सकेगा।

- लालबत्ती चौराहा की तरफ से बड़े वाहन, बस, कमर्शियल वाहन अहिमामऊ चौराहा, सुल्तानपुर रोड, रायबरेली रोड, कानपुर रोड की तरफ नहीं जा सकेंगे। ये लालबत्ती चौराहा से करियप्पा चौराहा, तेलीबाग या बंगलाबाजार चौराहा होकर जाएंगे।

- सुल्तानपुर रोड की तरफ से आने वाले सामान्य यातायात अमूल तिराहा से अहिमामऊ चौराहा की तरफ प्रतिबंधित रहेगा। यह अमूल तिराहे से ही डायवर्ट किया जाएगा, जो लुलु मॉल कट से शहीद पथ पर चढ़कर जाएगा। - सुल्तापुर रोड से पुलिस मुख्यालय की तरफ जाने वाले सामान्य यातायात एचसीएल तिराहे से प्लासियो तिराहा, पुलिस मुख्यालय की तरफ प्रतिबंधित रहेगा। यह अहिमामऊ चौराहे से दाहिनी तरफ टर्न लेकर जा सकेगा।

- कमता शहीद पथ तिराहा से कानपुर की तरफ जाने वाले सामान्य यातायात अहिमामऊ रैंप से नहीं उतर सकेंगे। ये शहीद पथ पर सीधा जा सकेंगे।

- कमता शहीद पथ तिराहा से अहिमामऊ चौराहे पर यू-टर्न लेकर कैंट, पुलिस मुख्यालय, गोमतीनगर जाने वाले सामान्य यातायात प्रतिंधित रहेंगे। ये शहीद पथ पर सीधा जाकर मेदांता हास्पिटल से यू-टर्न लेकर जाएंगे। - अहिमामऊ चौराहे से प्लासियो की तरफ यातायात पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। यह अहिमामऊ चौराहा, एचसीएल तिराहा, संस्कृत तिराहा से ओवरहेड गोल चक्कर चौराहा होकर जाएगा।

- सुल्तानपुर व अन्य मार्ग से आने व जाने वाले बड़े वाहन अहिमामऊ या अहिमामऊ चौराहे से सुल्तानपुर रोड की तरफ प्रतिबंधित रहेंगे। ये कबीरपुर तिराहे से किसान पथ होकर जाएंगे।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में टिन्नू यादव की पत्नी बोलीं, 'अगर 50 करोड़ की संपत्ति होगी तो वो...'

(जीएनएस)।

अयोध्या में राम मंदिर में कथित चढ़ावा घोटाले में टिन्नू यादव पर आरोप लग रहे हैं. टिन्नू यादव अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज कर चुके हैं. अब उनकी पत्नी पूनम यादव भी मीडिया के सामने आई हैं. उन्होंने सारे आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि ये सब फंसाने की साजिश है. उन्होंने सवाल किया क्या किसी के पास कोई ठोस सबूत है? बस बदनाम किया जा रहा है. पत्नी ने कहा कि 50 कमरे, लग्जरी गाड़ी और हॉस्टल ये सब बातें गलत हैं.

पूनम यादव ने कहा, "इनको बदनाम करने की साजिश है. इनको फंसाया जा रहा है. इनकी छवि को गंदा किया जा रहा है. 15 दिनों से हम लोग कितने तनाव में हैं. मानसिक तनाव दिया जा रहा है. मकान मेरा 2008 का खरीदा हुआ है, राम मंदिर पर फैसला आने से पहले. 2015 में बन गया है. जो मेरे पास है वो सब पारदर्शी है. कोई घोटाला नहीं किया है."

'32 सालों की सेवा पर बदनामी का दाग लगा है'

इस मामले में रक्ळ के गठन पर उन्होंने कहा, "उम्मीद यही करते हैं कि जो सच्चाई है, जो इनकी 32 सालों की सेवा पर बदनामी का जो दाग लगा है उसको पाक साफ किया जाए. पहले हमें सच्चाई की जांच करनी चाहिए. किसी को परेशान करना, ये सब क्या है? वो व्यक्ति आज तक सेवा ही कर रहा है. अगर किसी के पास 50 करोड़ की संपत्ति होगी तो वो सुबह जाएगा और रात को 11 बजे आएगा, इतनी परिश्रम करने की क्या जरूरत होगी? मंदिर निर्माण के दौरान वो भोजन बनवाकर स्वयं मजदूरों को खिलवाते थे. ठंडी, गर्मी, बरसात हमेशा इन्होंने संघर्ष ही किया है.

सबकी जांच होनी चाहिए- पूनम यादव

पूनम यादव ने आगे कहा, "जांच करनी है करिए. जहां कहेंगे हम वहां चलेंगे. लेकिन और सारे लोग भी हैं. सबकी जांच होनी चाहिए. मैं बस ये चाहती हूं कि इनके ऊपर बदनामी के जो दाग लगे हैं उसकी निष्पक्ष जांच हो. वो पूरे देवता हैं, उतने अच्छे तो हम नहीं हैं. जिसको देखते हैं सिर झुकाकर प्रणाम करते हैं. इन्होंने आज तक कहीं कोई गलत काम नहीं किया. इनकी ईमानदारी को देखकर ही राम मंदिर में लगा दिया गया."

अगर बेईमानी करते तो आज

यहां टिके नहीं रहते- पूनम यादव

उन्होंने आगे कहा कि उनका न किसी से झगड़ा है न किसी से गलत संबंध है. हम दाल रोटी खाने वाले साधारण लोग हैं. जब 800-1200 रुपये तनख्वाह थी तभी से लगे हुए हैं. अगर बेईमानी करते तो आज तक यहां टिके रहते? ये बात लोगों को गौर करनी चाहिए.

कौन हैं टिन्नू यादव?

रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू चंपत राय के ड्राइवर हैं. इनके पास अयोध्या में करोड़ों की जमीन और संपत्ति होने की बात कही जा रही है. हालांकि अभी तक इस केस में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है.लेकिन चढ़ावे की चोरी के आरोपों की तीन शिकायतें जरूर दर्ज हो चुकी हैं. अयोध्या थाने में कारसेवक संतोष दुबे ने शिकायत दी है. संतोष दूबे वो हैं जिन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन में गोलियां खाईं थीं.

आरोप है कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई और ये चोरी लंबे वक्त की हो रही थी. सबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी फुटेज तक डिलीट करवा दिये गये थे. इस पूरे केस में पूरा राममंदिर ट्रस्ट मैनेजमेंट संदेह के घेरे में है. लेकिन जिन चार किरदारों पर सबसे ज्यादा उंगलियां उठ रही हैं वो राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, मंदिर के व्यवस्थापक गोपाल राव, मंदिर ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्र और चंपत राय के ड्राइवर टिन्नू यादव, जिन्हें चंदा चोरी का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है.

लखनऊ से जेवर 60 मिनट में, एयरपोर्ट से बस तक पहुंचने में लगे 33 मिनट

(जीएनएस)।

नोएडा। जिले में ई-सिटी बसों का संचालन आनन-फानन में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधा के लिए हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्चुअल झंडी दिखाकर यह सेवा शुरू की। सोमवार को सुबह पहली फ्लाइट नोएडा एयरपोर्ट पहुंची।

1.5 किमी लगेज खींचकर बसों तक पहुंचे यात्री

टर्मिनल के बाहर यात्री निकले तो ई-सिटी बस नहीं मिली। कैब सुविधा भी यहां नहीं मिल सकी। यात्रियों के पूछने पर सिटी बस पहुंचने का रास्ता बताया गया। टर्मिनल बिल्डिंग से यात्रियों को सिटी बस के स्टाप तक पहुंचने में करीब 33 मिनट लगे।

पहले दिन नौ यात्रियों ने ई-सिटी बस से अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए यात्रा की। बेहतर कनेक्टिविटी के दावों के बीच यात्री 1.5 किमी तक अपना लगेज खींचकर बसों तक

पहुंचे।

एयरपोर्ट के गेट तक बसों की सुविधाएं देने का दावा पहले दिन हवा साबित हुआ। लखनऊ से नोएडा एयरपोर्ट पर फ्लाइट एक घंटे में पहुंच गई। एयरपोर्ट से बाहर निकले यात्रियों को आगे जाने के लिए बस और कैब नहीं मिल सकी।

1.5 किमी दूर पैदल चलकर यात्री बसों तक पहुंचे। एयरपोर्ट की कैंपस शटल सेवा अभी शुरू नहीं हुई है। सामान्य बसों के लिए बने एयरपोर्ट के बस स्टाप तक सिटी-बसों को जाने की अनुमति मिली। इसकी वजह से यात्री परेशान हुए।

निगरानी तंत्र विफल, चालक-परिचालको की मर्जी के स्टापेज

ई-सिटी बसों के संचालन को लेकर निगरानी तंत्र विफल साबित हो रहा है। चालक-परिचालक अपनी मर्जी से बसों को चला रहे और रोकते हैं। बोटेनिकल गार्डन पर दोपहर साढ़े 12 से डेढ़ बजे तक एक भी सिटी बस नहीं मिली।

वहीं, सिटी सेंटर पर पौने दो से तीन बजे तक करीब सवा घंटे में 17 सिटी बसें गुजरीं। कुछ एक बसें यहां रुकीं तो सही लेकिन दरवाजे नहीं खुले होने से सवारियां नहीं बैठ सकीं। चालक-परिचालक अपनी मर्जी अनुसार बिना रुके सिटी बसों को रूट पर दौड़ा रहे हैं।

सोमवार को 100 बस चलाने का किया था दावा

सोमवार को शहर में 100 बसें चलाने का दावा परिवहन निगम ने किया। लेकिन मुख्य रूटों पर ही बसें नजर नहीं आईं। मोरना डिपो में ही करीब 10 इलेक्ट्रिक बसें खड़ी हुई थीं। सेक्टर-90 स्थित डिपो पर लगे पांच में से दो इलेक्ट्रिक चार्जर खराब हैं। मोरना डिपो पर लगे पांच चार्जर से इलेक्ट्रिक बसों का चार्ज किया जा रहा था।

जेवर एयरपोर्ट पर लखनऊ से आई पहली फ्लाइट, जानें आईजीआई पर कौन-सी थी पहली लैंडिंग?

जेवर एयरपोर्ट पर लखनऊ से आई पहली फ्लाइट, जानें IGI पर कौन-सी थी पहली लैंडिंग?

जेवर एयरपोर्ट पर लखनऊ से पहली कमर्शियल फ्लाइट की सफल लैंडिंग हो गई है. ऐसे में जानिए दिल्ली के IGI एयरपोर्ट पर सबसे पहली फ्लाइट कब उतरी थी और उससे जुड़ा इतिहास क्या है?

IGI Airport First Flight: 15 Ju»»fe 2026 की सुबह Noida International Airport पर लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आई Indigo की फ्लाइट नंबर 6ए 2278 ने पहली commercial flight के रूप में सफल लैंडिंग की. इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सुबह 7:05 बजे रवाना हुई और ठीक एक घंटे बाद, सुबह 8:05 बजे जेवर एयरपोर्ट पर उतरी. इस ऐतिहासिक उड़ान में कुल 182 यात्री सवार थे. साथ ही इस पूरी योजना में सबसे खास पल वह था जब यह पता चला कि फ्लाइट में सफर करने वाले यात्री किसान थे, वे किसान जिन्होंने एयरपोर्ट बनाने के लिए अपनी जमीन दी थी. यानी जिस जमीन पर आज यह एयरपोर्ट खड़ा है, उसके असली मालिक आज उसी की पहली उड़ान में बैठे थे. इसके अलावा जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह भी इस खास पल में शामिल थे.

Noida International Airport को YamunaExpressway के किनारे जेवर में बनाया गया है. यह एयरपोर्ट दिल्ली-NCR का दूसरा बड़ा हवाई अड्डा है. इसके शुरू होने से Noida, Greater Noida और आसपास के इलाकों के लोगों को काफी राहत मिलेगी क्योंकि अब उन्हें एयरपोर्ट तक जाने के लिए लंबा सफर नहीं करना पड़ेगा. ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल आ रहा है कि सबसे चर्चित इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जहां कोई ऐसी देश की फ्लाइट नहीं होगी जो न उतरी हो, वहां यह दृश्य देखने को कब मिला था.

बैठने के लिए सीट नहीं मिली तो ट्रेन में बम की उड़ाई अफवाह

(जीएनएस)।

लखनऊ , राप्ती सागर एक्सप्रेस में बम की सूचना देने वाले युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। सूचना पर ऐशबाग स्टेशन पर एक्सप्रेस को रोककर चेकिंग की गई।

राप्ती सागर एक्सप्रेस 12512 में बैठने के लिए यात्री को सीट नहीं मिली तो उसने ट्रेन में बम होने की अफवाह उड़ा दी। बम की सूचना मिलते ही ऐशबाग स्टेशन पर ट्रेन को रोक दिया गया। यात्रियों को ट्रेन से उतारकर सघन तलाशी अभियान चलाया गया। करीब डेढ़ घंटे तक अफरातफरी का माहौल रहा। जीआरपी ने सूचना देने वाले यात्री को फोन किया तो वह ट्रेन के भीतर ही मिला।

जीआरपी इंस्पेक्टर धर्मवीर सिंह के मुताबिक मूलरूप से तेलंगाना के रजाना स्थित विमलवाड़ा निवासी सैनी जैकी (26) ने रेलवे के हेल्पलाइन नंबर पर राप्तीसागर एक्सप्रेस के कोच एस-2 में बम की सूचना दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी, आरपीएफ व बम निरोधक दस्ता ऐशबाग स्टेशन पर पहुंच गया। ट्रेन से यात्रियों को नीचे उतारा गया। काफी देर तक छानबीन के दौरान ट्रेन में कुछ संदिग्ध वस्तु नहीं मिला।

इसके बाद सैनी जैकी से पूछताछ की गई तो वह गुमराह करने लगा। सैनी ने पहले बताया कि ट्रेन आउटर में कुछ देर के लिए रुकी थी। इस दौरान चार युवक ट्रेन से तेजी से उतर गए। चारों युवकों ने ही ट्रेन में बम होने की बात कही थी।

आरोपी के बयान से संदेह होने पर जीआरपी ने सैनी से सख्ती से पूछताछ की तो वह टूट गया। आरोपी ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और बैठने के लिए सीट नहीं मिलने पर अफवाह उड़ाने की बात बताई। जीआरपी सैनी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जीआरपी इंस्पेक्टर का कहना है कि कोच एस-2 और पूरी ट्रेन की चेकिंग के बाद उसे रवाना कर दिया गया।

'यही चारों असली चोर...', राम मंदिर चढ़ावा मामले में संतोष दुबे ने दी तहरीर

(जीएनएस)।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में एफआईआर के लिए तहरीर दे दी गई है. अयोध्या के रहने वाले संतोष दुबे नामक शख्स ने एफआईआर के लिए तहरीर दी है. यह तहरीर राम जन्मभूमि कोतवाली में दी गई है. तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर पॉलीग्राफ टेस्ट कराकर जांच करने की मांग की गई है.

तहरीर में राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, राम मंदिर की व्यवस्थापक गोपाल राव और चंपत राय के ड्राइवर रहे राम शंकर यादव उर्फ टीन्नू यादव का भी नाम लिखा गया है. शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि मंदिर के चढ़ावे से संबंधित मामले की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए.

आज तक से बातचीत करते हुए संतोष दुबे ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के यही चार चोर हैं. जिनके नाम चंपत राय बंसल, अनिल मिश्रा, गोपाल राव और राम शंकर यादव टिन्नू यादव है. एसआईटी बस इन चार को पकड़ ले सब कुछ साफ हो जाएगा. जब मंदिर निर्माण के लिए अशोक सिंघल ने देश भर से कार सेवकों से ईंट मंगवाई तो कई लोगों ने सोने चांदी और तमाम हीरे जवाहरात जड़ित ईंटें दान की थी. वह कीमती ईंटें गायब हो गईं और आज तक पता नहीं चला. ये सब पुराने चोर हैं. राम मंदिर निर्माण शुरू हुआ तो जमीन खरीदने में घोटाला कर दिया, अब मंदिर बन गया तो चढ़ावा चोरी करने लगे. दुबे ने कहा कि ट्रस्ट के यह सभी लोग चोर हैं. मेरी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से मांग है कि इन सभी की संपत्ति की जांच करवाई जाए.

राम मंदिर निर्माण से पहले जो राम शंकर यादव, विनय कटियार चंपत राय का ड्राइवर हुआ करता था और 22000 की ड्राइवरी की नौकरी करता था, वह करोड़ों का मालिक कैसे बन गया? कैसे साधारण से घरवाले अनिल मिश्रा के घर में लिफ्ट लग गई और आलीशान मकान बन गया? राम मंदिर निर्माण के लिए मैंने गोली खाई, आंदोलन किया, मेरे घर की 3 बार कुर्की की गई.

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल दूसरे दिन भी जांच में जुटा हुआ है. सोमवार को करीब आठ घंटे तक चली पड़ताल के दौरान टीम ने मंदिर में चढ़ावा एकत्र होने से लेकर उसकी गिनती, पैकिंग और बैंक में जमा होने तक की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझा.

लखनऊ में भीषण गर्मी, लू चल रही:अगले एक हफ्ते तपन और उमस करेगी परेशान, 38 डिग्री पहुंचा तापमान

(जीएनएस)।

लखनऊ में फिर से भीषण गर्मी पड़ने लगी है। सुबह से मौसम साफ रहने के साथ में तेज धूप से तपन और उमस महसूस हो रही है। लू चल रही है। दोपहर 3 बजे पारा 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 29 डिग्री दर्ज हुआ।

शनिवार को अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 28.9 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.9 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 60 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 33 फीसदी रही है। अगले एक सप्ताह में करीब 7 डिग्री तक तापमान बढ़ने से भीषण गर्मी और उमस बढ़ जाएगी।

7 डिग्री तक बढ़ेगा पारा

लखनऊ समेत पूरे उत्तर प्रदेश में आंधी और बारिश का दौर रविवार से थम गया है। मौसम विभाग के मुताबिक इस बदलाव के कारण आने वाले एक सप्ताह के भीतर प्रदेश के तापमान में 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक की भारी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

इससे लखनऊ का अधिकतम तापमान 42 डिग्री को पार कर जाएगा। तापमान बढ़ने से लोगों को एक बार फिर उमस और तेज गर्मी का सामना करना पड़ेगा, हालांकि राहत की बात यह है कि अभी लू चलने की संभावना कम है।

देरी से पहुंचेगा मानसून

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, हरियाणा के पास बने पश्चिमी विक्षोभ और पाकिस्तान से लेकर बांग्लादेश तक जा रही हवा के कम दबाव की वजह से राज्य में पिछले कुछ दिनों से बारिश और तेज हवाएं चल रही थीं। अब यह सिस्टम कमजोर पड़ रहा है, जिससे वातावरण में नमी कम होगी और धूप तेज होगी।

उत्तर प्रदेश के लोगों को मानसून के लिए अभी थोड़ा और इंतजार करना होगा। मौसम विभाग ने साफ किया है कि फिलहाल राज्य में मानसून के आगे बढ़ने के लिए स्थिति अनुकूल नहीं हैं। इसलिए आने वाले कुछ दिनों तक झुलसाने वाली गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं।

यूपीः प्रदेश में दो दिन के बाद होगी लू की वापसी, मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए जारी किया अलर्ट; जानिए चेतावनी

उत्तर प्रदेश में मौसम का अलग अलग रंग देखने को मिल रहा है। कई हिस्सों में तपिश भरी गर्मी की वापसी हुई है तो पश्चिमी यूपी और तराई में आंधी और बूंदाबांदी हो रही है। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में फिलहाल एक हफ्ते तक मानसून आने के आसार नहीं हैं।

पूर्वानुमान है कि फिलहाल तीन चार दिनों के दौरान प्रदेश के मध्यांचल और बुंदेलखंड आदि में गर्मी का प्रकोप बढ़ने वाला है। वहीं पश्चिमी यूपी और तराई में तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी की संभावना है।

मंगलवार को प्रदेश के पंद्रह जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक दर्ज किया गया। 44 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रयागराज प्रदेश में सबसे गर्म रहा। वहीं बांदा में 42.6 डिग्री, वाराणसी और हमीरपुर में 42.2 डिग्री और चुर्क में 41.9 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में मौसम शुष्क रहने वाला है। हालांकि इस बीच पश्चिमी यूपी में कहीं कहीं छिटपुट बूंदाबांदी के संकेत हैं।

लखनऊ में नगर निगम अवैध निर्माण करा रहा:₹1.50 करोड़ से फुटपाथ पर बनवा रहा 60 दुकानें, एलडीए ने कहा- तुरंत रोकिए

(जीएनएस)।

लखनऊ के आशियाना स्थित एलडीए कॉलोनी के गौतम बुद्ध पार्क की बाउंड्री के किनारे फुटपाथ पर नगर निगम अवैध रूप से पक्का निर्माण करवा रहा है। करीब डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से 60 से अधिक दुकानें मॉडल वेंडिंग जोन लिए बनाई जा रही हैं।

दुकानों के लिए पक्की दीवार, सीमेंट और सरिया से बने पिलर और बीम को खड़ा कर दिया गया है। नगर निगम के अधिकारियों का दावा है कि यह अस्थायी निर्माण है, लेकिन यहां पर साफ तौर पर पक्का निर्माण किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया तो लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) ने नगर निगम को पत्र लिखकर इस रोक लगाने को कह दिया है। स्थानीय पार्षद का कहना है कि मामला गलत घसीटा जा रहा है। वहीं, छब्बा की चिट्ठी के बाद निर्माण कार्य रोक दिया गया है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि इन दुकानों के निर्माण में तय मानकों का पालन नहीं किया गया है। इसके अलावा, जिम्मेदार विभागों पर आरोप है कि इस निर्माण कार्य के लिए एलडीए जैसे महत्वपूर्ण विभागों से आवश्यक एनओसी भी नहीं लिया गया है।

विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता स्थानीय निवासी कमलेश दीक्षित बताते हैं कि बिना एनओसी और बिना योजना के हो रहे इस निर्माण से क्षेत्र में जाम और अन्य नागरिक समस्याएं बढ़ने की आशंका जताई जा रही है, जिसके चलते स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

लोगों का कहना है कि अगर नगर निगम ने इस निर्माण को नहीं रोका तो मजबूरन कोर्ट की शरण में जाना पड़ेगा। उनका आरोप है कि मॉडल वेंडिंग जोन बनाने से पहले आसपास स्थित तीन हॉस्पिटल तक का ख्याल भी नहीं रखा गया है। निर्माण होने के बाद इस पूरे मार्ग पर हर वक्त ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहेगी।

स्थानीय निवासी कमलेश दीक्षित ने कहा- फुटपाथ पर निर्माण होने से

यहां हर समय जाम लगेगा।

स्थानीय निवासी कमलेश दीक्षित ने कहा- फुटपाथ पर निर्माण होने से यहां हर समय जाम लगेगा।

निर्माण से पहले सर्वे न कराने का आरोप

जहां मॉडल वेंडिंग जोन बनाया जा रहा है, उस स्थान पर पहले से मौजूद पटरी दुकानदारों ने भी आरोप लगाया कि उनका सर्वे तक नहीं हुआ है। उनका कहना है कि कुछ दिन पहले नगर निगम के कर्मचारी यहां आए थे। उन लोगों ने सभी दुकानों को हटा लेने की चेतावनी देकर चले गए। वहीं, नियम कहता है कि अगर कहीं भी वेंडिंग या मॉडल वेंडिंग जोन का निर्माण होता है तो पहले से वहां पटरी दुकान लगा रहे दुकानदारों को वरियता दी जाएगी। साथ ही सर्वे कर पूरा प्रस्ताव तैयार किया जाता है। लेकिन आशियाना के एलडीए कॉलोनी में निर्मित दुकानों को लेकर कोई भी कवायद न किए जाने का आरोप है।

नहीं हो सकता पक्का निर्माण

मॉडल वेंडिंग जोन निर्माण के लिए नगर निगम से करीब डेढ़ करोड़ रुपए का बजट खर्च किया जा रहा था। टाउन वेंडिंग कमिटी के नियमानुसार अगर कोई भी वेंडिंग जोन में दुकान बनाई जाती है तो उसका पक्का निर्माण नहीं किया जा सकता है। लेकिन, आशियाना में जो 60 दुकानें निर्मित हो रही है वह पिलर डालकर ईंट पर खड़ा किया जा रहा है। अगर स्थानीय लोग दुकानों का विरोध न करते तो शायद शटरिंग डाले जाने की तैयारी चल रही थी। ऐसे में यह पूरी तरह से स्थायी दुकानों के रूप में निर्मित करवाई जा रही थी।

22 से ज्यादा बड़ी नहीं हो सकती दुकानें

वेंडिंग जोन में दुकानें निर्मित करने के लिए टीवीसी का नियमों का उल्लंघन है। नियम कहता है कि, कोई भी दुकान 2 बाई 2 साइज का होना चाहिए। अगर निर्माण हो रहा है तो उसे अस्थायी रूप से निर्माण किया जाना चाहिए, जिससे किसी भी आपात स्थिति में दुकानों को कहीं दूसरी जगह पर शिफ्ट किया जा सके, लेकिन पार्क के बाहर किए गए पक्के निर्माण में करीब 10 बाई 10 की दुकानें बनाई गई हैं।

स्थानीय लोगों ने पार्क की जमीन और उसके फुटपाथ पर करा जा रहे निर्माण का विरोध शुरू कर दिया है।

स्थानीय लोगों ने पार्क की जमीन और उसके फुटपाथ पर कराए जा रहे निर्माण का विरोध शुरू कर दिया है।

पाथ-वे पर बन रहीं दुकानें

मॉडल वेंडिंग जोन बताकर जिन दुकानों का निर्माण हो रहा है, उसे पाथ-वे पर बनाया जा रहा है। करीब 200 से 300 मीटर तक पाथ-वे को उखाड़ कर नींव खोद दी गई है। मौजूदा वक्त में करीब 20 दुकानों की दीवार खड़ी हो गई है। जबकि शेष निर्माण स्थानीय निवासियों के विरोध के बाद रोक दिया गया है। हालांकि अधिकतर में बीम और पीलर खड़े कर दिए गए, जबकि कई की नींव खोद दी गई है।

नए निर्माण पर क्या बोले जिम्मेदार-

इस पूरे निर्माण कार्य को लेकर एलडीए के चीफ इंजिनियर मानवेंद्र सिंह ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर आपत्ति जताई है। पत्र में उन्होंने लिखा है- संबंधित स्थान पर मॉडल वेंडिंग जोन निर्मित होने से पार्क चारों तरफ से बंद हो जाएगा। इससे पार्क की शुद्ध हवा प्रभावित होगी, जो पर्यावरण के लिहाज से प्रतिकूल होगा। साथ ही पाथ-वे खत्म कर वहां पक्का निर्माण कर दुकानें बनाई जा रही हैं, जो कि पूरी तरह गलत है। इस संबंध में आमजनमानस भी विरोध कर रहा है।

वहीं, मामले में अपर नगर आयुक्त का कहना है कि दुकान निर्माण को लेकर कुछ लोगों के विरोध किए जाने का मामला सामने आया था। इस मामले में पीडब्ल्यूडी से एनओसी है। अगर कोई नियम का उल्लंघन हुआ है तो मौके पर जाकर खुद निरीक्षण के बाद कुछ कह सकता हूं।

हिंद नगर के स्थानीय पार्षद सौरभ सिंह मोनू ने कहा कि वॉर्ड में जो दुकानों का निर्माण हो रहा है ,वह नियमों के तहत किया जा रहा है। यहां पहले से पटरी दुकानदारों को मॉडल वेंडिंग जोन में अलॉट किया जाएगा। इस मामले को गलत विवाद में घसीटा जा रहा है।

यूपी में 'सिटी हीट एक्शन प्लान' में बड़ा बदलाव, 11 शहरों में लागू की जाएगी योजना

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूपीएसडीएमए) ने 'सिटी हीट एक्शन प्लान' की कार्ययोजना में बदलाव कर अब जिलाधिकारियों से गर्मी से बचाव को लेकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

पहले यह रिपोर्ट स्वयं सेवी संस्थाओं (एनजीओ) व पर्यावरण को लेकर काम कर रही संस्थाओं द्वारा तैयार की जानी थी। इसके लिए संबंधित संस्थाओं को 11 लाख रुपये तक की राशि देने की व्यवस्था की गई थी।

यूपीएसडीएमए ने वर्ष 2024 में 'सिटी हीट एक्शन प्लान' की कार्ययोजना तैयार की थी। राज्य सरकार से अनुमति मिलने के बाद इस कार्ययोजना पर काम शुरू किया गया था।

इसके लिए सभी जिलों के जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया था वह गर्मी से बचाव के लिए एनजीओ, पर्यावरण के लिए काम करने वाली संस्थाओं व विशेषज्ञों से रिपोर्ट लेकर अपने-अपने जिले की कार्ययोजना तैयार कर यूपीएसडीएमए को भेजें।

पहले चरण में आगरा, लखनऊ, गोरखपुर, अयोध्या के लिए हीटवेव के जोखिम से बचाव को लेकर कार्ययोजना तैयार कर संबंधित जिलों में उसे लागू किया जाना था।

साथ ही संबंधित शहरों में छोटे-छोटे वन क्षेत्र को बढ़ाने की भी कार्ययोजना तैयार की गई थी। जिलाधिकारियों ने यूपीएसडीएमए को जो रिपोर्ट भेजी हैं, उनका अध्ययन करने के बाद यूपीएसडीएम ने संबंधित रिपोर्ट को खारिज कर दिया है।

साथ ही संबंधित जिलों के लिए जिलाधिकारियों को लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ, गोरखपुर, प्रयागराज, वाराणसी, बरेली, मुरादाबाद, अयोध्या और गाजियाबाद के लिए नए सिरे से 'सिटी हीट एक्शन प्लान' तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। यूपीएसडीएमए ने बाकी के जिलों के जिलाधिकारियों को भी इस संदर्भ में कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

साथ ही स्पष्ट किया है कि जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन, नगर निगम, नगरीय निकाय, कृषि, बागवानी, मौसम सहित अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्ययोजना तैयार करें। इस कार्ययोजना को तैयार करने में संबंधित जिलों के विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। इसके लिए जिला स्तर पर समितियों का भी गठन किया गया है।

एलडीए की दो बड़ी आवासीय योजनाएं, 3100 से ज्यादा प्लॉट, जानिए लोकेशन और रजिस्ट्रेशन की डिटेल

..

लखनऊः लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) जल्द ही अपनी दो महत्वाकांक्षी आवासीय योजनाएं वरुण विहार और नैमिष नगर एक साथ लॉन्च करने जा रहा है। इन दोनों योजनाओं के तहत कुल 3105 आवासीय भूखंडों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण खोला जाएगा। भूखंडों का आकार 72 वर्गमीटर से लेकर 450 वर्गमीटर तक होगा, जिससे छोटे और बड़े दोनों परिवारों को अपनी जरूरत के अनुसार प्लॉट मिल सकेंगे।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने सोमवार को पारिजात सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की लॉन्चिंग की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने दोनों योजनाओं में 18 मीटर से 45 मीटर चौड़ी सड़कों का निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने के निर्देश भी दिए।

आगरा एक्सप्रेस-वे के पास वरुण विहार योजना

लखनऊ विकास प्राधिकरण के अनुसार, वरुण विहार योजना आगरा एक्सप्रेस-वे के किनारे लगभग 6580 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जाएगी। इसके लिए सरोजनीनगर और सदर तहसील के कई गांवों की जमीन को योजना में शामिल किया जा रहा है।

प्राधिकरण का दावा है कि इस योजना से करीब 3.5 लाख लोगों को आवासीय सुविधाएं मिलेंगी। इसके

अलावा यहां उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा और लॉजिस्टिक्स सेक्टर के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

पहले चरण में लॉन्च होंगे 1926 प्लाट

वरुण विहार योजना में बड़े स्तर पर हरित क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। करीब 800 एकड़ में ग्रीन बेल्ट, पार्क और वॉटर बॉडी बनाई जाएंगी। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर का गोल्फ कोर्स और एक बड़ा स्पोर्ट्स पार्क भी प्रस्तावित है। वहीं, लगभग 300 एकड़ में लॉजिस्टिक पार्क विकसित करने की योजना है।

योजना के पहले चरण में कुल 1926 आवासीय भूखंड लॉन्च किए जाएंगे। इनमें कैलाश खंड में 1218 प्लॉट और काशी खंड में 708 प्लॉट शामिल हैं।

एलडीए की दूसरी बड़ी परियोजना नैमिष नगर योजना IIM रोड के आसपास लगभग 3600 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जाएगी। यह योजना लखनऊ के उत्तरी हिस्से के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इसके लिए बीकेटी तहसील के कई गांवों की जमीन को योजना में शामिल किया जा रहा है। एलडीए का कहना है कि आधुनिक सुविधाओं से लैस यह टाउनशिप भविष्य में शहर के प्रमुख आवासीय क्षेत्रों में शामिल होगी।

1179 प्लॉट्स के लिए खुलेगा पंजीकरण

नैमिष नगर योजना के पहले चरण में कुल 1179 आवासीय भूखंडों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किया जाएगा। इनमें ब्रह्मा खंड में 669 प्लॉट और भूमि खंड में 510 प्लॉट शामिल हैं।

शहर के विस्तार को मिलेगी नई रफ्तार

एलडीए का मानना है कि वरुण विहार और नैमिष नगर जैसी योजनाएं राजधानी के सुनियोजित विस्तार में अहम भूमिका निभाएंगी। बेहतर सड़क नेटवर्क, हरित क्षेत्र, आधुनिक सुविधाएं और रोजगार के नए अवसर इन योजनाओं को खास बनाएंगे। दोनों परियोजनाओं के लॉन्च होने के बाद हजारों लोगों को लखनऊ में अपना

लखनऊ में दिखा मोहर्रम का चांद, 17 जून से नए इस्लामी साल 1448 हिजरी का आगाज और अजादारी शुरू

17 जून को पहली मोहर्रम का शाही जुलूस निकाला जाएगा. 26 जून को यौम-ए-आशूर मनाया जाएगा. देखें लखनऊ में मोहर्रम के प्रमुख जुलूसों का शेड्यूल.

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मोहर्रम का चांद दिखाई देने और उसकी शरई तस्दीक होने के साथ ही नए इस्लामी साल 1448 हिजरी के आगाज का ऐलान कर दिया गया है। मरकजी शिया और सुन्नी दोनों चांद कमेटियों ने मंगलवार को चांद की पुष्टि करते हुए आधिकारिक घोषणा की कि 17 जून से पहली मोहर्रम होगी और इसी के साथ इस्लामी नववर्ष की शुरुआत हो जाएगी।

चांद की तस्दीक के बाद सुन्नी धर्मगुरु मुफ्ती इरफान मियां फिरंगी महली और शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने भी मोहर्रम के आगाज का ऐतिहासिक ऐलान किया. इस मुकद्दस ऐलान के साथ ही नवाबों के शहर लखनऊ समेत पूरे उत्तर प्रदेश में गम-ए-हुसैन और अजादारी का माहौल शुरू हो गया है.

जानकारी देते मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली. (श्रीङ्क उ१प्रि३ः एळश इँ१३)

17 जून को निकलेगा पहली मोहर्रम का शाही जुलूसः सालों पुरानी परंपरा के अनुसार लखनऊ में 17 जून को पहली मोहर्रम को ऐतिहासिक शाही जुलूस पूरी अकीदत और अदब के साथ निकाला जाएगा। माना जाता है कि लखनऊ के इस प्रतिष्ठित जुलूस के बाद ही दुनिया भर में अजादारी की रस्में और मजलिसों का विधिवत ऐलान होता है। मोहर्रम का महीना इस्लाम धर्म में विशेष ऐतिहासिक और रूहानी महत्व रखता है। इस गम के महीने की 10वीं तारीख, जिसे 'यौम-ए-आशूर' कहा जाता है, को हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के मैदान में शहीद हुए उनके 72 जांबाज साथियों की महान कुर्बानी को याद किया जाता है.

बड़े इमामबाड़े में होगा पारंपरिक मातमः लखनऊ को पूरे मुल्क में 'अजादारी की राजधानी' भी कहा जाता है, जहाँ मोहर्रम के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम, मजलिसें और अलम के जुलूस पूरे अदब व एहतिराम के साथ आयोजित किए जाते हैं। पांच मोहर्रम को शाहनजफ इमामबाड़े में आयोजित होने वाला ऐतिहासिक मातमी आयोजन बहुत खास होता है, जो बड़ी संख्या में अकीदतमंदों को अपनी ओर आकर्षित करता है। वहीं सात मोहर्रम को कर्बला के सबसे युवा शहीद हजरत कासिम की याद में 'मेंहदी का जुलूस' पूरी अकीदत से निकाला जाएगा। इसके बाद आठ मोहर्रम को रात के समय मशाल जुलूस आयोजित होगा, जबकि बड़े इमामबाड़े के परिसर में पारंपरिक 'आग का मातम' भी किया जाएगा।

26 जून को मनाया जाएगा यौम-ए-आशूरः मोहर्रम के पूरे महीने के दौरान देश और दुनिया में इमाम हुसैन से मोहब्बत और अकीदत रखने वाले लोग अपने घरों और अजाखानों में ताजिए रखते हैं। इस दौरान लगातार मजलिसों और रवायती मातमी कार्यक्रमों का आयोजन करके कर्बला के भूखे-प्यासे शहीदों को भावभीनी खिराज-ए-अकीदत पेश की जाती है। चांद कमेटियों के आधिकारिक ऐलान के मुताबिक आगामी 26 जून को पूरे देश में 'यौम-ए-आशूर' मनाया जाएगा, जब कर्बला के शहीदों की याद में विशेष मजलिसें, मातम और बड़े जुलूस किए जाएंगे। लखनऊ के भी मोहर्रम के इन सभी संवेदनशील और पारंपरिक कार्यक्रमों की सुरक्षा और सहूलियत को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

कौन हैं मारिया एस्पिनोसा? यूएन महासचिव की रेस में चल रही है सबसे आगे

(जीएनएस)।

दुनिया के सबसे बड़े इंटरनेशनल संगठन संयुक्त राष्ट्र में नए महासचिव के चुनाव की प्रक्रिया अब अहम मोड़ पर पहुंच गई है। मौजूदा महासचिव का कार्यकाल 31 दिसंबर 2026 को खत्म हो रहा है और 1 जनवरी 2027 से वठ को नया नेतृत्व मिलेगा। इसी क्रम में महासभा ने महासचिव पद की उम्मीदवार के साथ इंटरएक्टिव डायलॉग आयोजित किया।

ऐसे समय में यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब दुनिया यूक्रेन युद्ध, मिडिल ईस्ट तनाव, क्लाइमेट चेंज, आर्थिक चुनौतियों और अकजैसी नई टेक्नोलॉजी से जुड़े मुद्दों का सामना कर रही है। नए महासचिव पर वठ की साख और प्रभाव बढ़ाने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

कौन हैं मारिया फर्नांडा एस्पिनोसा?

मारिया फर्नांडा एस्पिनोसा इक्वाडोर की अनुभवी डिप्लोमैट और नेता हैं। वह पहले Ecuador की विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री रह चुकी हैं। इसके अलावा वह UN महासभा की अध्यक्ष का पद भी संभाल चुकी हैं। मई 2026 में Antigua and Barbuda ने उनके नाम का आधिकारिक समर्थन किया था। अंतरराष्ट्रीय मामलों में लंबे अनुभव और UN सिस्टम की गहरी समझ के कारण उन्हें इस रेस की मजबूत उम्मीदवारों में गिना जा रहा है। उनका फोकस संगठन को ज्यादा प्रभावी और भरोसेमंद बनाने पर है।

दुनिया को सिर्फ भाषण नहीं, नतीजे चाहिए

वठ महासभा में बातचीत के दौरान एस्पिनोसा ने कहा कि आज दुनिया को केवल बड़े-बड़े भाषण नहीं बल्कि ठोस रिजल्ट चाहिए। उनके मुताबिक वठ को ऐसा संगठन बनना होगा जो संकट आने से पहले चेतावनी दे सके और तेजी से प्रतिक्रिया कर सके। उन्होंने कहा कि लोगों का भरोसा जीतना वठ की सबसे

बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। उनका मानना है कि मौजूदा समय में ग्लोबल चुनौतियों का समाधान केवल मजबूत इंटरनेशनल कोऑपरेशन और बेहतर नेतृत्व से ही संभव है।

पांच पिलर पर आधारित है उनका विजन

एस्पिनोसा ने अपने विजन को पांच बड़े पिलर में बांटा है। पहला, शांति और सुरक्षा को मजबूत करना। दूसरा, डेवलपमेंट को तेज गति देना। तीसरा, डिजिटल और एनर्जी ट्रांजिशन को बढ़ावा देना। चौथा, फैसलों और उनके इम्प्लीमेंटेशन के बीच का गैप कम करना। पांचवां, वठ की विश्वसनीयता को फिर से मजबूत बनाना। उनका कहना है कि महासचिव का काम केवल नीतियां बनाना नहीं बल्कि संगठन को ज्यादा प्रभावी तरीके से चलाने में मदद करना भी है।

महासचिव पद की रेस में कौन-कौन?

इस चुनाव में एस्पिनोसा के अलावा कई बड़े नाम शामिल हैं। इनमें Michelle Bachelet, Rafael Mariano Grossi, Macky Sall और Rebeca Grynfspan प्रमुख हैं। हाल ही में Guyana की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिना रोड्रिग्स का नाम भी सूची में जुड़ा है। सभी उम्मीदवारों का अंतरराष्ट्रीय राजनीति और कूटनीति में लंबा अनुभव रहा है, जिससे मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया है।

UN महासचिव का चुनाव सामान्य वोटिंग से नहीं होता। सबसे पहले United Nations Security Council उम्मीदवारों के नामों पर विचार करता है। इस प्रक्रिया में अमेरिका, चीन, रूस, यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस की भूमिका सबसे अहम होती है क्योंकि इनके पास वीटो पावर है। अगर सुरक्षा परिषद किसी उम्मीदवार के नाम की सिफारिश करती है, तभी मामला वठ महासभा तक पहुंचता है। इसके बाद महासभा अंतिम मंजूरी देती है। इसलिए, महासचिव बनने के लिए वैश्विक समर्थन के साथ बड़ी शक्तियों की सहमति भी जरूरी होती है।

लखनऊः शिवम अवस्थी के नेतृत्व में जेठ मास भंडारा आयोजित

लखनऊः शिवम अवस्थी एवं उनके स्टाफ ने मिलकर जेठ मास के अवसर पर न्यू टेंपो स्टैंड, राजाजीपुरम में भंडारा का आयोजन किया। इस भंडारे में मांगों, आम, पना, पूरी, सब्जी, ठंडा पानी और बूंदी सहित विभिन्न व्यंजनों का वितरण किया गया।

भंडारे का आयोजन बड़े उत्साह और सामूहिक सहयोग से सम्पन्न हुआ, जिसमें स्थानीय लोगों ने भी भाग लिया। शिवम अवस्थी ने सभी स्टाफ सदस्यों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाया।